BK BIRLA CENTRE FOR EDUCATION

SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS
SENIOR SECONDARY CO-ED DAY CUM BOYS' RESIDENTIAL SCHOOL
PRE BOARD-III EXAM 2024-25
HINDI (085)

Class : X | उत्तरपत्र | Duration : 3 Hrs
Date : 17.01.2025 | Max. Marks : **80**

खंड - 'क'
(अपठित बोध) **14** अंक

प्र० **1.** निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(1X3=3)**

(क) गद्यांश में 'शुतुरमुर्ग' की संज्ञा किसे दी गई है?
(iii) पाठक, जो सपनों की दुनिया में रहना चाहता है

(ख) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए:
(iii) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(ग) लेखक के अनुसार साहित्य क्या कार्य करने के लिए प्रेरित करता है? निम्नलिखित कथनों को पढ़ें एवं सही विकल्प चुनें-
(i) केवल (1) सही है

(घ) नगद फसल के लिए बढ़ता हुआ पागलपन का तात्पर्य वैसे लोगों से है जो तुरंत और अधिक से अधिक लाभ कमाना चाहते हैं।, **(2X1=2)**

(ङ) पाठक साहित्य से अपेक्षा रखते है कि साहित्य हमारे मन की बात करे परंतु साहित्य उन्हें अपने आप-पास की उस जीवन के बारे में सचेत करता है, जिससे उन्होंने आँखें मूंद रखी है। **(2X1=2)**

प्र० **2.** निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(1X3=3)**

(क) धर्म एवं कानून के संदर्भ में भारत के विषय में कौन-सा कथन सबसे अधिक सही हैं? निम्नलिखित कथनों को पढ़ें एवं सही विकल्प चुनें-
(iii) केवल (3) सही है

(ख) भारतवर्ष में सेवा और सच्चाई के मूल्य.. रेखांकित के लिए विकल्प छाँटिए:
(ii) जीवन में उन्नति के बड़े पैमाने के कारण कहीं छिप से गये हैं

(ग) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए:
(ii) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (2) सही है।

(घ) मनुष्य ने आदशों को मजाक का विषय बना लिया क्योंकि व्यक्ति का चित्त हर समय आदर्शों द्वारा चालित नहीं होता। जितने बड़े पैमाने पर उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह, जैसे विकार भी बढ़ते गए जिसके कारण लोग ने लक्ष्य की बात भूलकर अपने आदर्शों को मजाक बनाया।, **(2X1=2)**

(ङ) भारत का बड़ा वर्ग आज यह महसूस कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज है अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। **(2X1=2)**

खंड - 'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण) **16** अंक

प्र० **3.** 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(4x1=4)**

(क) दिल्ली में स्थित लोटस टैम्पल,
(ख) सदैव व्यस्त रहने वाले तुम,
(ग) फल बेचने वाला
(घ) क्रिया पदबंध,
(ङ) मेरे बाद।

प्र० **4.** 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **(4×1=4)**

(क) जो खाएगा वह सोएगा,
(ख) मिश्र वाक्य से,
(ग) संयुक्त वाक्य से,

(घ) बच्चा दौड़कर मेरे पास आया,
(ङ) नीरजा आई और चली गई।

प्र० **5.** समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **(4×1=4)**

(क) महान हैं जो जन,
(ख) तत्पुरुष,
(ग) दुश्चरित्र,
(घ) अव्ययीभाव समास,
(ङ) तत्पुरुष।

प्र**. 6.** 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए**:** **(4×1=4)**

(क) अति कुद्ध होना,
(ख) छोटा मुँह बड़ी बात,
(ग) आँखों में धूल झोंककर,
(घ) आश्चर्य चकित होना,
(ङ) घर में सारी सुविधाएँ होना

खंड **-** 'ग'

(पाठ्यपुस्तक/ पूरक पाठ्यपुस्तक **)** 28 अंक

प्र० **7.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उचित विकल्प में से चुनकर लिखिए**:** **(5×1=5)**

(क) लेखक के अनुसार धरती पर अधिकार है:
(iii) पशु-पक्षी का

(ख) मानव जाति ने किसके बल पर भिन्नता की दीवारें खड़ी की हैं?
(iv) उपरोक्त कोई नहीं

(ग) संसार पहले कैसा था?
(i) स्वप्न के समान

(घ) पहले लोग कहाँ रहते थे?
(i) बड़े-बड़े दालानों में

(ङ) निम्मलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए:
कथन (A): पहले पूरा परिवार एक संसार के समान था।
कारण (R): अब टुकड़ों में बैटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है।
(ii) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

प्र० **8.** गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में लिखिए**: (3x2=6)**

(क) कवि ने परोपकार, दया तथा उदारता जैसे गुणों के संदर्भ में दधीचि, कर्ण इत्यादि महान् व्यक्तियों की चर्चा कविता में की है। दधीचि ने देवताओं की रक्षा के लिए अपनी हड्डियों को दानकर दिया, जिससे इंद्र के अस्व वज्र का निर्माण हुआ तथा असुरों की पराजय हुई। दधीचि का परोपकार मनुष्यता के इतिहास में प्रशसित है। दानवीर कर्ण ने अपने वचन को पूरा करने के लिए, अपने शरीर-चर्म के रूप में विद्यमान कवच-कुंडल का दान कर दिया। राजा शिवि ने पक्षी के प्राणों की रक्षाहेतु अपने शरीर का मांस काटकर दे दिया। रंतिदेव ने भूखे अतिथियों के लिए अपने हिस्से का भोजन उन्हें ग्रहण करने हेतु दे दिया।

(ख) कवयित्री मीराबाई 'हरि आप हरो.....' पद के माध्यम से श्रीकृष्ण को याद दिलाती है कि जिस प्रकार दुशासन द्वारा द्रौपदी के चीरहरण के समय आपने द्रौपदी की लाज रखी; अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए नरसिंह रूप धारण किया तथा गजराज के मुख से अपना नाम सुनकर उसकी रक्षा की, वैसे ही आप मेरी भी सहायता कीजिए।

(ग) पर्वतीय प्रदेशों में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य तो कई गुना बढ़ जाता है, परंतु इस ऋतु में पहाड़ों पर जीवन व्यतीत करने वाले लोगों के लिए कई समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। जैसे वर्षा के कारण पहाड़ों की भूमि फिसलन भरी हो जाती है जिसके कारण पहाड़ी से फिसलकर गिरने का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही चट्टानों का अपक्षय होने लगता है वह टूटकर गिरने लगती हैं। कभी-कभी बड़े-बड़े बट्टानी टुकड़े गिरते हैं जिनसे जान-माल का बहुत

नुकसान होता है। वर्षा के कारण पहाड़ों की मिट्टी फैलने लगती है। कभी-कभी बादल फटने से भयंकर बाढ़ तक आ जाती है। जंगलों में कीचड़ व दलदल बन जाती है जिसका अंदाजा लगाना मुश्किल होता है।

(घ) कविता में वर्णित तोप ईस्ट इंडिया कंपनी की है। इसका प्रयोग अंग्रेजों ने 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को कुचलने में किया था। ये तोप इतनी शक्तिशाली थी कि इसने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले अनेक भारतीय सूरमाओं की धज्जियाँ उड़ा दी थीं। वर्तमान में, यह तोप कंपनीबाग के मुख्य द्वार पर प्रदर्शित की गई है। अपने अतीत में इतनी शक्तिशाली रहने वाली यह तोप अब शक्तिहीन एवं निस्तेज है। अब यह केवल एक ऐतिहासिक धरोहर है जिसे साल में दो बार गणतंत्र दिवस ओर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चमकाया जाता है। अब बच्चे उस पर घुड़सवारी करते हैं, चिड़ियाँ उस पर गपशप करती है। गौरैया भी उस तोप के मुँह में ही घुस जाती है। इससे हमें पता चलता है कि शस्व-शक्ति और बलपूर्वक दमन करके जनता को कुछ समय के लिए दबाया जा सकता है परंतु जब जनता विद्रोह करती है तो बड़े-बड़े अत्याचारियों को उखाड़ फेकती है और हमारे पूर्वजों ने भी अत्याचारी अंग्रेजों की सत्ता को उखाड़ फेंका और उनकी बड़ी तोपों का मुँह भी बंद कर दिया। अर्थात वह तोप अब गोले फेंकने या फिर आग उगलने लायक ही नहीं रही है, केवल बच्चों के लिए एक खिलौना बन गई है।

प्र० **9.** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए**:** **(5x1=5)**

(क) 'वाँकपन' से क्या अभिप्राय है?

(iv) युद्धवीर

(ख) क्या करने का मौका वार-बार नहीं आता?

(i) देश पर जान देने कर

(ग) वीर सैनिक सबसे अधिक किससे प्रेम करते हैं?

(ii) परिवार से

(घ) 'जान देने की रुत रोज आती नहीं' पंक्ति से क्या आशय है?

(iii) उपरोक्त दोनों

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

(i) (1), तथा (3)

प्र० **10.** काव्य खंड पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में लिखिए**:** **(3x2=6)**

(क) वजीर अली के अफसाने सुनकर कर्नल को रॉबिन हुड की याद इसलिए आ जाती थी क्योंकि वजीर अली बहुत हिम्मती, दिलेर और बहादुर व्यक्ति था। उसके साहस के कारनामे लोगों की जुबान पर थे। उसने कंपनी के वकील को उसके घर जाकर मार डाला था। ऐसे-ऐसे साहस-भरे किस्से सुनकर उसे रॉबिन हुड नामक साहसी योद्धा की याद आ जाती थी।

(ख) निकोबार द्वीप पर रहने वाले लोगों का विश्वास है कि कभी लिटिल अंडमान और कार-निकोबार नामक द्वीप आपस में मिले हुए थे, अविभक्त थे। निकोबारी इस द्वीप समूह के विभक्त होने का कारण एक प्रेम कथा को मानते हैं। यह कथा तताँरा-वामीरो की है। तताँरा पासा गाँव का रहने वाला सुंदर नवयुवक था। वह साहसी, नेक और मददगार था। वामीरो समीप के गाँव लपाती की रहने वाली थी। दोनों एक-दूसरे से प्रेम करने लगे किंतु गाँव की परंपरा के अनुसार उनका विवाह नहीं हो सका। एक दिन ताँरा को लोगों ने भला-बुरा कहा। वामीरो जोर-जोर से रोने लगी। तताँरा इसे सहन नहीं कर सका। उसने क्रोध में भरकर अपनी तलवार को धरती में गाड़ दिया और पूरी शक्ति से अपनी ओर खींचता चला गया। द्वीप के अंतिम सिरे तक धरती दो भागों में विभक्त हो गई और इस प्रकार निकोबार द्वीप समूह दो टुकड़ों में विभक्त हो गया।

(ग) लेखक यहाँ स्पष्ट करना चाहता है कि जब आदर्श और व्यवहार में से लोग आदर्शों की बात करना भूल जाते हैं और व्यावहारिक होने को महत्त्व देने लगते हैं तो उनका व्यवहार धीरे-धीरे पतन की ओर गिरने लगता है। समझौतों की चर्चा अधिक होने लगती है। लोगों का ध्यान आदर्शों को छोड़ने की ओर लगा रहता है। इस प्रकार पतन के मार्ग खुल जाते हैं।

(घ) लेखक ने ग्वालियर से मुंबई तक अनेक बदलाव महसूस किए। उसने पाया कि जंगल कट गए। मनुष्य अपने चरम स्तर पर स्वार्थी हो गए हैं। प्रकृति और जीवों के प्रति लोगों में दया का भाव नहीं रह गया है। पशु-पक्षी शहर छोड़कर कहीं भाग गए। जो भाग नहीं सके, वे दुर्गति और उपेक्षा सहकर जी रहे हैं। बड़े-बड़े बिल्डर समुद्री जमीन को हथियाकर उस पर निरंतर नई-नई इमारतें बनाकर समुद्र को पीछे धकेल रहे हैं। लोगों का जीवन छोटे-छोटे डिब्बों जैसे घरों में सिमटने लगा है।

प्र० **11.** पूरक पुस्तक 'संचयन' पर आधारित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40-50** शब्दों में दीजिए: **(2×3=6)**

(क) बचपन की विशेषतौर पर स्कूली जीवन की यादें मन को गुदगुदाती हैं। बचपन की यादें सभी की निजी होती है। मेरी भी कुछ ऐसी यादें मेरे साथ हैं जो हमें प्रेरित करते हैं। जब मैं नवीं कक्षा में था तो मैंने अपने सहपाठियों के साथ किसी बात पर मार-पीट की। बात मेरे वर्ग-शिक्षक के माध्यम से मेरे घर तक पहुँची। तब मेरे पापा को विद्यालय में बुलाया गया। पापा सारी बातें जानने के पश्चात मुझे मेरे वर्ग शिक्षक एवं सहपाठियों के सामने ही फटकार लगाई तथा कहा मार-पीट किसी भी समस्या का निदान नहीं है। अगर कोई समस्या है तो अपने शिक्षक से बोलो, मुझे बताओ। हम आपकी सभी समस्याओं का निदान निकालेंगे। यह सुनकर मैं बहुत शर्मिंदा हुआ। मैंने उस दिन से ठान लिया कि मैं अब किसी के साथ मार-पीट नहीं करूँगा तथा आवश्यकता पड़ने पर सबकी हरसंभव मदद करूंगा।

(ख) समाज के रिश्तों की विशेष अहमियतता होती है। ये रिश्ते ही एक-दूसरे को अदृश्य डोर में बाँधे रहते हैं। ये रिश्ते व्यक्ति को मान-सम्मान दिलाने में सहायक होते हैं। ये रिश्ते ही हैं जिनके कारण व्यक्ति दूसरे के दुख-सुख में काम आता है। यदि रिश्ते न हों तो समाज में एक तरह का जंगलराज और अव्यवस्था का वातावरण होगा, जिसमें कोई किसी को पहचानेगा ही नहीं। इससे स्वार्थपरता, निजता और आत्मकेंद्रितता आदि का बोलबाला हो जाएगा। भाईचारा, पारस्परिक सौहार्द, प्रेम किसी अन्य लोक की बातें बनकर रह जाएँगी।

(ग) इफ़्फ़न को अपने पूरे परिवार से स्नेह था परंतु उसे अपनी दादी से घनिष्ठ प्रेम था। उसकी अम्मी और बहन उसे डॉटती रहती थी। छोटी बहन भी उसे परेशान करती थी। अब्बू भी कभी-कभी घर को कचहरी समझकर अपना फैसला सुना दिया करते थे। घर में केवल एक दादी थीं जिन्होंने कभी भी उसका दिल नहीं दुखाया था। दादी रात को सोते समय उसे कहानियाँ सुनाती थीं। दादी की पूरबी बोली में उसे कहानी सुनना अच्छा लगता था। उसकी दादी के पास उसकी हर शिकायत का समाधान होता था। इसलिए इफ़्फ़न अपनी दादी से बहुत प्रेम करता था।

खंड - 'घ'

(लेखन कौशल **) 22** अंक

प्र० **12.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग **120** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: **(1x5=5)**

भूमिका	1 अंक
विषयवस्तु	3 अंक
भाषा।	2 अंक

प्र० **13.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए**:** **(1x5=5)**

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं	1 अंक
विषय वस्तु	2 अंक
भाषा	1 अंक

प्र० **14.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **60** शब्दों में सूचना लिखिए: **(1×4=4)**

सूचना का प्रारूप	1अंक
विषय वस्तु।	2 अंक
भाषा।	1 अंक

प्र० **15.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **40** शब्दों में विज्ञापन लिखिए: **(1x3=3)**

विषय वस्तु	1 अंक
प्रस्तुति	1 अंक
भाषा	1अंक

प्र० **16.** 'भारत और मैं' विषय पर लगभग **100** शब्दों में एक लघु कथा लिखिए। **(5x1=5)**

विषय वस्तु	3 अंक
रोचकता	1 अंक
भाषा	1 अंक

अथवा

प्रारूप।	1 अंक
विषय वस्तु	3 अंक
भाषा	1 अंक